दिनाँक 26.11.2021 शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में मनाया गया "संविधान दिवस"

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत दिनाँक 26.11.2021 को भारत का संविधान दिवस मनाया गया जिसमें शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर के अधिकारियों/वैज्ञानिकों/कर्मचारियों एवं शोधार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक श्री एम.आर. बालोच, भा.व.से. ने की। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री जे. आर. लोहिया, वरिष्ठ एडवोकेट तथा विशिष्ट अतिथि श्री आशीष वर्मा, (IIS), मीडिया एवं कम्युनीकेशन अधिकारी थे। कार्यक्रम में हिन्दी विभाग के सहायक निदेशक श्री के. सी. गुप्ता ने अपने स्वागत उद्बोधन मे भारत के "संविधान दिवस" का संक्षिप्त विवरण दिया।

कार्यक्रम का प्रारम्भ संस्थान निदेशक श्री एम. आर. बालोच, भावसे द्वारा भारतीय संविधान की उद्देशिका को वाचन कर शपथ ली गई। उसके पश्चात् कविता पाठ कार्यक्रम हुआ जिसमें श्री करनाराम चौधरी, मुख्य तकनीकी अधिकारी , श्री गंगाराम चौधरी, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, श्री अनिल शर्मा, तकनीकी अधिकारी एवं श्री सोहनलाल गर्ग, वरिष्ठ तकनीशियन द्वारा काव्य रचना के रूप में अपने विचार व्यक्त किये। काव्य पाठ में प्रतिभागीयो को मुख्य अतिथि द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

संस्थान में "सांप्रदायिक सद्भाव सप्ताह" दिनाँक 19.11.2021 से 25. 11.2021 तक मनाया गया, मनाने के अनुसरण में सभी क्षैत्र सहायक, कनिष्ठ परियोजना अध्येताओं एवं शोधार्थियों से "सांप्रदायिक सद्भाव एवं राष्ट्रीय एकता की देश के विकास में भूमिका" विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता आयोजित करवाई गई एवं विजेता प्रतियोगियों को "संविधान दिवस" 26.11.2021 को मुख्य अतिथि द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इसके पश्चात् संस्थान के समूह समन्व्यक (शोध), वैज्ञानिक – जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि संविधान निर्माताओं ने भविष्य में आने वाली समस्याओं तथा एकता व अखण्डता को ध्यान में रखते हुए इसका निर्माण किया गया है। आगे अन्होने कहा कि अपने मूल अधिकारो के साथ–साथ अपने देश के अन्य नागरिको के मूल अधिकारों का भी हमें ध्यान रखना चाहिये। हमें स्वराज से सुराज की तरफ बढ़ना है अन्त में उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक भारतीय संविधान को अच्छी तरह पढ़े ताकि अनावश्यक रूप से भ्रमित न हो।

कार्यक्रम की अगली कड़ी में विशिष्ट अतिथि श्री आशीष कुमार (IIS) मीडिया एवं कम्युनीकेशन अधिकारी ने उद्बोधन में कहा कि भारतीय संविधान के उदेशिका में जो आज वाचन किया है उसका पूर्णरूप से पालन करने का आहवान किया साथ में उन्होने कहा कि संविधान निर्माताओं को देश के नागरिको द्वारा हमेशा याद किया जायेगा। साथ ही उनके द्वारा संविधान के संबंध में जागरूक करने हेतु

आफरी में प्रदशर्नी लगाई गई एवं प्रदशर्नी के बारे में जानकारी भी दी गई साथ ही सेल्फी पांइन्ट भी बनाया गया।

उद्बोधन की अगली कड़ी में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री जे. आर. लोहिया, एडवोकेट ने कहा कि भारतीय संविधान के प्रारूप समिति के अध्यक्ष बाबा साहेब श्री भीमराव अम्बेडकर के मेहनत, लग्न एवं व्यक्तिगत प्रयासों से आदर्श भरतीय संविधान की रचना संभव हुई और इसकी सफलता एवं असफलता लागू करने वालो पर निर्भर करता है। आगे उन्होंने कहा कि हमारा संविधान लचीला, कठोर एवं क्रियाशील है तथा मूल ढ़ाचे में कोई परिर्वतन नहीं कर सकते है। यदि मूल ढ़ाचे में किसी प्रकार संशोधन या परिवर्तन किया जाता है तो भारत का उच्चतम न्यायालय अनुच्छे–32 के तहत उसे अल्ट्रा वाइरस (Ultra Virus) घोषित कर दिया जाता है।

कार्यक्रम की अगली कड़ी में संस्थान के निदेशक श्री एम. आर. बालोच, भावसे अपने अध्यक्षीय संभाषण में कहा कि आज आजादी का अमृत महोत्सव पूरे भारत में मनाया जा रहा है। भारत का संविधान लागू होने से पहले देश में संविधान किस प्रकार से चलता था के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी गई तथा अंत में कहा कि सामाजिक–आर्थिक समानता से हमारा देश सशक्त होगा।

कार्यक्रम का संचालन श्री के. सी. गुप्ता, सहायक निदेशक, हिन्दी विभाग ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन श्री आर. के. गुप्ता, मुख्य तकनीकी अधिकारी द्वारा दिया गया।

कार्यक्रम की कुछ झलकियां

72वां संविधान दिवस

72वां संविधान दिव